THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

पाठ - दीवानों की हस्ती

प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1. कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बन कर बह जाना' क्यों कहा है?

प्रश्न 2. भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

प्रश्न 3. कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी?

कविता से आगे

प्रश्न 1. जीवन में मस्ती होनी चाहिए, लेकिन कब मस्ती हानिकारक हो सकती है? सहपाठियों के बीच चर्चा कीजिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. एक पंक्ति में कवि ने यह कहकर अपने अस्तित्व को नकारा है कि "हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले।" दूसरी पंक्ति में उसने यह कहकर अपने अस्तित्व को महत्त्व दिया है कि "मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहाँ चले।" यह फाकामस्ती का उदाहरण है। अभाव में भी खुश रहना फाकामस्ती कही जाती है। कविता में इस प्रकार की अन्य पंक्तियाँ भी हैं उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और अनुमान लगाइए कि कविता में परस्पर विरोधी बातें क्यों की गई हैं ?

अतिरिक्त प्रश्न उत्तर (**Extra Question Answers**)

प्रश्न 1. कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

प्रश्न 2. कवि की मंज़िल निश्चित क्यों नहीं है?

प्रश्न 3. दीवानों की चाल अन्य लोगों की चाल से किस तरह अलग होती है?

प्रश्न 4. कवि ने दुनिया के लोगों को भिखमंगा क्यों कहा है?

प्रश्न 5. दीवाने "आज यहाँ, कल वहाँ' आवागमन क्यों करते रहते हैं?

प्रश्न 6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए – स्वच्छंद, उर, छककर, आलम, उल्लास

प्रश्न 7. "हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।"
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

प्रश्न **8.** “अब अपना और पराया क्या**?**
आबाद रहें रुकनेवाले**!**
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बंधन तोड़ चले।”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
प्रश्न **9.** “दो बात कही, दो बात सुनी।
कुछ हँसे और फिर कुछ रोए।
छककर सुख-दुख के घूँटों को
हम एक भाव से पिए चले।”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

प्रश्न **10.** “किस ओर चले**?** यह मत पूछो,
चलना है, बस इसलिए चले,
जग से उसका कुछ लिए चले,
जग को अपना कुछ दिए चले,”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

प्रश्न **11.** “हम दीवानों की क्या हस्ती,
हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले।”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

प्रश्न **12.** “आए बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी,
सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले**?**”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।